THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI ARIF MOHD. KHAN): (a) and (b) According to DESU the anticipated power demand of Delhi during 1985-86 is about 870MW and DESU proposes to meet it from the Indraprastha and Badarpur Thermal Power Station, as also from other Central generating stations, etc.

DESU's estimates of consumer consumption vis-a-vis percentage increase during the last 3 years are as under:

Year	Consumption (M. Units)	Percentage increase
1981-82	2544	9.32
1982-83	2841	10.45
1983-84	3230	12.04

The estimated demand during thenext 3 years is as follows:

(In MW)

Year	Anticipated power demand
1985-86	870
1986-87	950
1987-88	1025

(c) and (d) Yes, Sir. A 66|11 KV sub-station has already been established and another is planned for the current year. DESU will provide electricity to the area in accordance with the time-frame for its development by D.D.A.

(e) The present adequate availability of power in Delhi does not normally necessitate load shedding.

दक्षिण बसई से हजीरा तक गैस पाइप लाइन का बिछाया जाना

70. श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दक्षिण बसई से हजीरा तक गैस पाइप लाइन बिछाने का ठेका दुबई में कार्यरत, मैसर्स ब्राउन एण्ड रूट कम्पनी को किस आधार पर दिया गया था जबकि अमरीका की मैकडर माट कम्पनी को ठेका देने से कम से कम 10 करोड़ रुपये की बचत की जा सकती थी ;

(ख) क्या यह सच है कि तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा ठेका दिये जाने में अक्सर इस प्रकार की अनियमितताएं होती रहती हैं ; और

(ग) क्या बड़े पैमाने पर हो रही इस प्रकार की अनियमितताओं को रोकने तथा दस करोड़ रुपये का नुकसान करने के लिए उत्तरदायी व्यक्तियों के विरुद्ध सरकार द्वारा कोई कार्यवाही की गई हैं और यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

ऊर्जा मंत्रालय के पेट्रोलियम विभाग में राज्य मंत्री (श्री गार्गी शंकर मिश्र) : (क) ठेका एक भारतीय कंपनी मैसर्स इसार ब्राउन रुट इंडिया लिमिटेड (इब्रिल) को दिया गया, चूंकि तेल एवं प्राकृतिक

गैस आयोग द्वारा वहन किये जाने वाले अपेक्षित कर दायित्वों को ध्यान में रखते हुए उनका प्रस्ताव सबसे कम मूल्य का था।

(ख) जी, नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

दिल्ली दूरदर्शन से फीचर फिल्मों का प्रसारण

71 **श्री राम भगत पासवान :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1982-84 के दौरान, दिल्ली दूरदर्शन से कितनी फीचर फिल्में दिखाई गयीं और उनमें से कितनी फिल्में (i) धार्मिक (ii) ऐतिहासिक और (iii) सामाजिक थीं ; और

(ख) क्या सरकार दूरदर्शन पर केवल धार्मिक, सामाजिक और शिक्षाप्रद फिल्में दिखाने और घटिया तथा भद्दी फिल्मों के प्रसारण पर तुरन्त प्रतिबन्ध लगाने के लिये अनुदेश जारी करने का विचार रखती है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में राज्य मंत्री (श्री एच० के० एल० भगत) : (क) और (ख) दूरदर्शन का किसी धर्म विशेष को प्रतिबिम्बित करने का प्रयास नहीं है। इसलिए यह केवल ऐसी धार्मिक, ऐतिहासिक फिल्मों को ही टेलीकास्ट करता है जो निश्चित रूप से सामाजिक उत्थान से संबंधित हों। 1982-84 (जून, 1984 तक) के दौरान, दूरदर्शन केन्द्र, दिल्ली द्वारा कुल मिलाकर 293 फिल्में टेलीकास्ट की गई जिनमें से 8 फिल्में धार्मिक, 14 ऐतिहासिक तथा शेष सामाजिक थीं।

क्योंकि दूरदर्शन को बड़े तथा विभिन्न वर्गों के दर्शकों की रुचि को पूरा करना होता है, अत. किसी विशिष्ट किस्म की फिल्मों को टेलीकास्ट करने के लिए निश्चित अनुदेश जारी नहीं किये जा सकते। तथापि, दूरदर्शन केवल ऐसी फिल्में ही टेलीकास्ट करता है जो परिवार के साथ देखने के योग्य हों।

Applications for Telephone Connections

72. SHRI H. HANUMANTHAPPA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) what is the number of applications for fresh telephone connections pending as on 1st January, 1984, State-wise; and

(b) the steps taken by Government to clear the pending applications?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI V. N. GADGIL): (a) The number of applications for new telephone connections pending State-wise as on 1st January, 1984 is as per Statement.

(b) The present waiting list is proposed to be cleared progressively during 7th Plan period, by opening new exchanges and expanding the existing ones subject to availability of equipment and funds.